साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 40 | गोंदिया : गुरुवार, 13 से 19 मई 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

प्रफुल पटेल का सार्थक प्रयास, पूर्वी विदर्भ का धान मिलिंग का प्रश्न होगा हल

प्रलंबित धान का बोनस मिलेगा, मिलिंग की दरों में होंगी बढ़ोतरी

मंत्रिमंडल सभा में होगा निर्णय

गोंदिया – पूर्वी विदर्भ व गोंदिया जिले के धान उत्पादक किसानों से जिला मार्केटिंग फेडरेशन व आदिवासी विकास महामंडल द्वारा खरीदे गए धान की मिलिंग का प्रश्न हल करने के लिए सांसद प्रफुल पटेल के पहल पर ११ मई को मंत्रालय में उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के कक्ष में सभा आयोजित की गई थी। जिसमें धान मिलिंग की दर में बढ़ोतरी, धान के अपग्रेड हेतु १०० रुपए प्रति क्विंटल बढ़ोतरी देने के संदर्भ में सकारात्मक चर्चा हुई तथा जल्द ही मंत्रीमंडल की सभा में इस पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा। साथ ही किसानों का प्रलंबित बोनस व मिल मालिकों के धान मिलिंग के संदर्भ में सभी प्रश्न हल होंगे।

गौरतलब है कि धान उत्पादक किसानों से जिला मार्केटिंग फेडरेशन व आदिवासी विकास महामंडल के माध्यम से शासकीय आधारभूत धान खरीदी केंद्रों में खरीदी की जाती है। गत खरीद मौसम में पूर्व विदर्भ से १ लाख क्विंटल धान की खरीदी की गई। खरीदी किए गए धान की राइस मिलर्स से मिलिंग करवाकर शासन को चावल जमा किया जाता है। किंतु खरीफ मौसम में धान की मिलिंग की दर व बकाया भाड़े तथा धान की गुणवत्ता के चलते २०० रुपए क्विंटल अपग्रेड कर देने की मांग राइस मिलर्स ने की थी। लेकिन शासन द्वारा इस पर ३ महीने से किसी भी प्रकार का निर्णय नहीं लिया गया था। जिसके चलते शासकीय धान की मिलिंग पूर्ण रुप से ठप हो चुकी है। इस कारण पूर्व विदर्भ के पांचों जिलों में करोड़ों क्विंटल धान खुले में तथा गोदामों में पड़ा हुआ है।

उपरोक्त धान की मिलिंग न होने से रबी फसल की खरीदी में परेशानी हो रही है। जिसके चलते किसानों का धान खरीदी नहीं हो पा रहा है। इस विषय को लेकर सांसद पटेल की पहल पर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के कक्ष में सभा आयोजित की गई। जिसमें धान मिलिंग की दर ४० रुपए क्विंटल से ५० रुपए क्विंटल देने तथा खरीफ मौसम में धान की गुणवत्ता ठीक ना होने से धान की मिलिंग कर नियमानुसार चावल जमा करने के लिए प्रति क्विंटल १०० रुपए अपग्रेड करने के संदर्भ में सकारात्मक चर्चा हुई। अजित पवार ने यह विषय मंत्रीमंडल की सभा में रखकर जल्द ही निर्णय लेने का आश्वासन दिया है। अब पूर्व विदर्भ के धान खरीदी का प्रश्न जल्द ही हल होगा वह खरीदी शुरु होंगी।

१५ दिनों में मिलेगा धान का बोनस

जिला मार्केटिंग फेडरेशन व आदिवासी विकास महामंडल द्वारा खरीदे धान पर ७०० रुपए क्विंटल बोनस देने की घोषणा शासन ने की थी। लेकिन अब तक बोनस नहीं मिलने से किसानों में भ्रम का वातावरण निर्माण हो रहा था। इस विषय पर मंगलवार को आयोजित सभा में चर्चा की गई। जिस पर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने १५ दिन में धान के बोनस की रकम देने का आश्वासन सांसद पटेल को दिया है। और बताया कि कोरोना से राज्य सरकार आर्थिक संकट में होने के बावजूद आर्थिक बोझ सहन कर किसानों के हितों को लक्ष्य में लेकर खरीफ मौसम में खरीदे गए धान का प्रलंबित बोनस देने का निर्णय लिया गया है। जो जल्द ही किसानों के खाते में जमा होगा।

आयोजित सभा में अन्न व आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल, अन्न व आपूर्ति राज्यमंत्री विश्वजीत कदम, सांसद प्रफुल पटेल, वित्त विभाग के अपर सचिव, महाराष्ट्र राज्य आदिवासी विकास महामंडल के व्यवस्थापक संचालक, महाराष्ट्र राज्य सहकारी पनन महामंडल के संचालक, वित्त सलाहकार व उपसचिव मार्केटिंग फेडरेशन उपस्थित थे।

१८ से ४४ आयु वर्ग के नागरिकों के वैक्सीनेशन के लिए

सेंटरों में होंगी बढ़ोतरी

स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन ने किया निरीक्षण

गोंदिया – कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए शासन द्वारा १८ से ४४ वर्ग के आयु वर्ग के नागरिकों का टीकाकरण शुरु किया गया है। जिसके लिए वर्तमान समय में शहर में सेंटर कम होने से नागरिकों को व युवाओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। शासन द्वारा भी वैक्सीनेशन कार्यक्रम की गति बढ़ाने व जल्द से जल्द अधिक से अधिक नागरिकों का वैक्सीनेशन करने के लिए शहर में और अधिक सेंटर बढ़ाने हेतु स्वास्थ्य विभाग व जिला प्रशासन द्वारा ८ मई को निरीक्षण किया गया। इस दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रदीपकुमार डांगे, नप मुख्याधिकारी करण चौहान, तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.वेदप्रकाश चौरागढ़े, पार्षद जितेंद्र (बंटी) पंचबुद्धे व समीर बैस द्वारा गोंदिया शहर की शालाओं का निरीक्षण किया गया। जिसमें कन्हारटोली स्थित जे.एम. हाईस्कूल, गणेशनगर नगर परिषद स्कूल, छोटा गोंदिया की नगर परिषद स्कूल, मालवीय वार्ड स्थित नगर परिषद स्कूल व शहर के मध्य स्थित नगर परिषद कन्या शाला का समावेश है। इस संदर्भ में जल्द ही शासन द्वारा निर्णय लेकर उपरोक्त स्थानों पर वैक्सीनेशन सेंटर शुरु किया जाएगा, जिससे शहर में टीकाकरण के कार्य को गति मिलेंगी।

वैक्सीनेशन के लिए करें ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन

१८ से ४४ आयु वर्ग के सभी नागरिकों के वैक्सीनेशन के कार्य को शासन द्वारा तेज गति से बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। जिसके लिए शहर में सेंटरों की संख्या भी बढ़ाई जा रही है। इस हेतु सभी नागरिक अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाएं। परेशानियों से बचने के लिए नंबर आने पर ही टीकाकरण सेंटरों पर पहुंचकर अपनी वैक्सीन लगवाएं। रजिस्ट्रेशन के लिए जारी की गई साइड Cowin-gov-in एवं आरोग्य सेतु एप पर जा सकते हैं ।

– **जितेंद्र पंचबुद्धे**, सभापति, नगर रचना गोंदिया

गोंदिया : ८ मई को तेज हवाओं और भारी गड़गड़ाहट के साथ आकाश में तेज बिजली चमकने लगी। आकाशीय बिजली के विहंगम दृश्य को कैमरे में कैद किया भरतभाई जसानी ने।

ooo|ooo|ooo|ooo|ooo

सडक अर्जुनी तहसील के ग्राम खोबा में डॉ.पुरुषोत्तम हत्तीमारे के निवासिय बगीचे में खीला मई फ्लावर (फुटबॉल लिली) संकलन : अनिल गोविंदराव मुनिश्वर

मृत मवेशी पर जहर डालकर तेंदुए की हत्या

आरोपी किसान हिरासत में

गोंदिया जिले के सड़क अर्जुनी वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कोहमारा रेंज के तहत मृत बैल पर थाईमेट जहर डालकर तेंदुए की हत्या करने के मामले में दो आरोपियों को वन विभाग ने ११ मई को हिरासत में लिया।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले के संरक्षित वन क्षेत्रों से लगे ग्रामों के किसानों कि फसलों व पालतू मवेशियों को वन्य जीव नुकसान पहुंचाते हैं। इसी के तहत सड़क अर्जुनी वन क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कोहमारा वन विभाग के घोगलघाट के समीप स्थित खेत में किसान सुकलदास तोरणकर के पालतू मवेशी का शिकार तेंदुए द्वारा किए जाने पर आक्रोशित होकर किसान ने मृतक बैल के शरीर पर थाईमेट नामक जहर डाल दिया था। जिसे खाने के पश्चात तेंदुए की मौत हो गई थी। उपरोक्त घटना करीब १५ दिन पुरानी बताई जा रही है। जो मामला ११ मई को सुबह के दौरान सामने आया। विशेष यह है कि मृत तेंदुए के चारों पैर व दांत काटे पाये गए गए। इस मामले में सहायक उपवन संरक्षक प्रदीप पाटील, वन परीक्षेत्र अधिकारी पंचभाई घटनास्थल पर पहुंच कर मृत तेंदुए का पंचनामा कर शव विच्छेदन घटनास्थल पर ही करवा कर उसका अंतिम संस्कार किया गया। इस अवसर पर मानद वन्यजीव रक्षक मुकुंद धुर्वे भी उपस्थित थे। जिसमें आरोपी किसान सुकलदास तोरणकर व संदीप तोरणकर को हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने पर उसने मृत मवेशी पर जहर डालने की बात कबूल की। लेकिन मृत तेंदुए के पंजे तथा दांत काटने से इनकार किया। इस मामले में सहायक उपवन संरक्षक पाटील द्वारा मामले की जांच की जा रही है। जिसके पश्चात ही तेंदुए के पंजे काटे जाने के मामले का खुलासा हो पाएगा।

सरकारी धान खरीदी ना होने पर किसान को खुले बाजार में धान विक्री की छूट देने के साथ ही प्रति क्विंटल ५०० रुपये अलग से खाते में जमा किये जाय -विधायक विनोद अग्रवाल

सातबारा ऑनलाइन करने की अंतिम तारीख को आगे बढाया जाए

उपरोक्त विषयों पर अगर हल नही निकाला गया तो होगा आंदोलन

गोंदिया – शासकीय आधारभूत धान खरेदी केंद्र पर रबी हंगाम का धान विक्री करने हेतु सातबारा ऑनलाइन करने की अंतिम तारीख ३० अप्रैल निर्धारित की गई थी। लेकिन कोरोना की दूसरी लहर ने जिले के कुछ तलाठी एवं किसानों को ग्रसित कर दिया। जिसके कारण किसानों का सातबारा ऑनलाइन नही हो पाए थे तथा फसल की एंट्री सातबारा में नही करायी जा सकी। इसलिए सातबारा ऑनलाइन करने की अंतिम तारीख को आगे बढाया जाए, ऐसी मांग को लेकर विधायक विनोद अग्रवाल मुंबई जाकर अन्न एवं नागरी पुरवठा सचिव विलास पाटिल से मुलाकात कर तारीख को आगे बढ़ाने की विनती की।

गोंदिया जिले के धान खरेदी केंद्र जल्द शुरु हो

गोंदिया जिले में इस बार ३० लाख क्विंटल धान खरीदी का टारगेट निर्धारित किया गया है। लेकिन धान रखने की क्षमता मात्र २ लाख ५० हजार क्विंटल की ही है। ऐसे में धान खरीदी होगी की नहीं, यह संशय विधायक विनोद अग्रवाल के मन में पैदा हुआ। उन्होंने इस विषय को अन्न एवं नागरी पुरवठा सचिव विलास पाटिल के समक्ष रखा। तब विलास पाटिल ने समय पड़ने पर प्राइवेट गोदाम भाड़े पर लेकर धान खरीदी की जाएगी, ऐसा आश्वासन विधायक अग्रवाल दिया है।

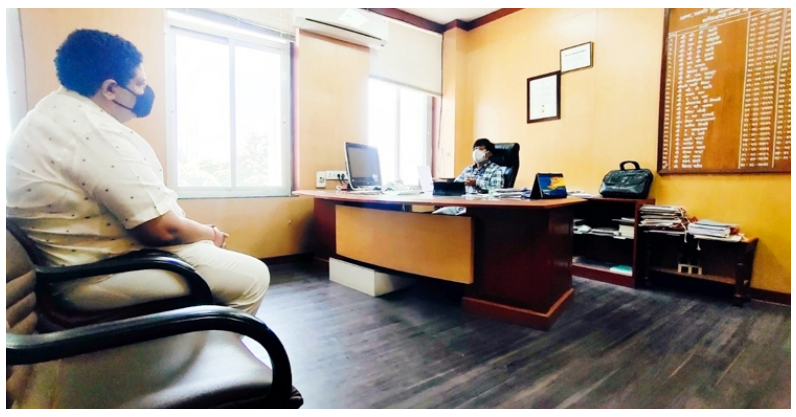

किसानो को खुले बाजार में धान विक्री की अनुमति दी जाए

धान खरीदी करने हेतु विविध समस्याएं पिछले कुछ माह से उत्पन्न हो रही है। सभी गोदाम फुल हैं और धान रखने हेतु जगह उपलब्ध नहीं है। खरीप हंगाम के धान की खरीदी ही अब तक पूर्ण नही हो पायी। यह बात बारबार मैंने प्रशासन की नजर में लाई है। पूर्ण जिले में १ लाख क्विंटल धान खरीदी करने की क्षमता है। लेकिन बरसात का मौसम आने में महज ३० दिन बचे है और खरीप हंगाम में खरीदा हुआ धान अभी भी खुले में पड़ा है। जिसकी खराब होने की आशंकाओ को टाला नही जा सकता। इस बार ३० लाख क्विंटल धान खरीदने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। और प्रशासन की मानसिकता धान खरीदी की दिख नही रही। राज्य में बेमौसमी वर्षा कभी भी हो सकती है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए प्रशासन अगर धान खरीदने में सक्षम नहीं है तो किसान को खुले बाजार में धान विक्री करने की छूट देने के साथ प्रति क्विंटल ५०० रुपये अलग से किसान के खाते में जमा किये जाए। ऐसा उपाय विधायक विनोद अग्रवाल ने शासन को दिया है। जिले में औसतन प्रति हेक्टर ६० क्विंटल धान का उत्पादन अपेक्षित है, ५०० रुपये प्रति क्विंटल देने से प्रति हेक्टर ३० हजार रुपये किसानों को मिल सकेंगे।

आंदोलन की चेतावनी, खाद्य आपूर्ति सचिव शुक्रवार को गोंदिया आएंगे

खरीप हंगाम में किसानो को बहुत सारी दिक्कतों को सामना करना पड़ा था। लेकिन कोरोना के चलते मैं चुप था। लेकिन अब धान खरीदी नहीं होने पर तीव्र आंदोलन किया जायेगा। ऐसा विधायक विनोद अग्रवाल ने अन्न एवं नागरी पुरवठा सचिव विलास पाटिल से कहा है। जिस पर समस्या को हल करने हेतु अन्न एवं नागरी पुरवठा सचिव पाटिल शुक्रवार को गोंदिया आ रहे है।

रावणवाड़ी में दिनदहाड़े हत्या २ आरोपी पुलिस हिरासत में

गोंदिया तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम रावणवाड़ी में १० मई की शाम ४ से ४.३० के दौरान रावणवाड़ी मुरपार निवासी जयप्रकाश बसंतलाल लिल्हारे (४५) की धारदार हथियार से जघन्य की गई। इस मामले में २ आरोपियों को रावणवाड़ी पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया

गौरतलब है कि रावणवाड़ी-मुरपार निवासी जयप्रकाश लिल्हारे स्वयं विवाहित होने के साथ उसके दो बच्चे भी हैं। लेकिन इसके बावजूद उसका गांव की एक अन्य विवाहित महिला से ६ वर्षों पूर्व प्रेम संबंध हो गया था। जिसके चलते वह उसे लेकर गांव से फरार हो गया था। जिसके पश्चात २ वर्षों पूर्व वह गांव में वापस आकर अपनी मालकियत के खेत में स्थित मकान में रह रहा था। लेकिन इस बात को लेकर महिला के बच्चों में आक्रोश पनप रहा था। जिसके चलते १० मई को मृतक के मकान में पहुंचकर आरोपी कोमल रामचंद्र रनगिरे (२३) व रुपेश रामचंद्र रनगिरे (१९) ने धारदार हथियार से उसकी जघन्य हत्या कर दी। इस मामले में फरियादी जयप्रकाश लिल्हारे (१९) की मौखिक शिकायत पर रावणवाड़ी पुलिस थाने में भादवि की धारा ३०२, ३४ के तहत मामला दर्ज कर घटना के ३ घंटों के अंदर ही आरोपी को पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया। आरोपियों को न्यायालय में पेश किए जाने पर १५ मई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया। उपरोक्त मामले में उपविभागीय अधिकारी जगदीश पांडे के मार्गदर्शन में रावणवाड़ी के पुलिस निरीक्षक उमेश पाटिल द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

संपादकिय

तीसरी लहर का खतरा

अब तीसरी लहर की बात चूंकि काफी पहले से पता है, उम्मीद की जानी चाहिए कि कम से कम इस बार हमें इस तरह के बहानों का सहारा नहीं लेना पड़ेगा कि लहर अप्रत्याशित रुप से तेज थी या यह कि इसकी भयावहता का किसी को अंदाजा नहीं था। हालांकि अभी भी संभावित तीसरी लहर के आने का समय पता नहीं किया जा सका है, यह भी तय नहीं है कि तब तक कोरोना वायरस के कितने और किस-किस तरह के वैरिएंट आ चुके होंगे।

आज जब पूरा देश कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर के विनाशकारी नतीजों से निपटने में लगा है, यह सूचना मन में मिश्रित भाव पैदा करती है कि इसकी तीसरी लहर भी आने ही वाली है। चूंकि केंद्र सरकार के प्रमुख वैज्ञानिक सलाहकार ने इस बात की पुष्टि कर दी है, इसलिए अब न तो इसमें किसी किंतु-परंतु की गुंजाइश रह जाती है और न ही इसे लेकर हैरानी-परेशानी जताने का कोई मतलब बनता है। ले-देकर यही एक बात देखने की रह जाती है कि इस सूचना का उपयुक्त इस्तेमाल करते हुए हम उस तीसरी लहर के आने से पहले खुद को और पूरे तंत्र को उसका सामना करने के लिए किस हद तक तैयार कर पाते हैं। पहली लहर के बाद छह महीने से ऊपर का वक्त मिलने के बावजूद हमने दूसरी लहर की आशंका को जिस तरह से भुलाए रखा, वह सचमुच ऐतिहासिक है। न केवल हमारे तंत्र ने ऑक्सिजन जैसी आवश्यक वस्तु का उत्पादन और उसकी अबाधित आपूर्ति सुनिश्चित करने की कोई अतिरिक्त तैयारी नहीं की, बल्कि आम लोगों को भी इसके लिए मानसिक रुप से तैयार करने की जरुरत नहीं महसूस की गई कि दूसरी बेहद खतरनाक लहर आ सकती है। लोग इसी भुलावे में बने रहे कि अब तो वैक्सीन आ ही गई है, अब कोरोना क्या बिगाड़ लेगा

बहरहाल, अब तीसरी लहर की बात चूंकि काफी पहले से पता है, उम्मीद की जानी चाहिए कि कम से कम इस बार हमें इस तरह के बहानों का सहारा नहीं लेना पड़ेगा कि लहर अप्रत्याशित रुप से तेज थी या यह कि इसकी भयावहता का किसी को अंदाजा नहीं था। हालांकि अभी भी संभावित तीसरी लहर के आने का समय पता नहीं किया जा सका है, यह भी तय नहीं है कि तब तक कोरोना वायरस के कितने और किस-किस तरह के वैरिएंट आ चुके होंगे। उन सब पर वैज्ञानिक बिरादरी लगातार काम कर रही है। लेकिन अच्छी बात यह है कि वायरस के रुप जो भी हों, संक्रमण के उसके तरीकों में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। इसका मतलब यह हुआ कि बचाव के तरीके लगभग वही रहेंगे। यानी दूरी बरतना, लोगों के निकट संपर्क में नहीं आना, मास्क पहनना, बार-बार हाथ धोते रहना और हां बारी आने पर वैक्सीन जरुर ले लेना। ये ऐसे उपाय हैं जिन पर सतर्क अमल सुनिश्चित कर हरेक व्यक्ति इस युद्ध में अहम योगदान कर सकता है। मगर पर्याप्त वैक्सीन का उत्पादन और उसकी सप्लाई सुनिश्चित करने, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनाए रखने और मरीजों के लिए ऑक्सिजन, हॉस्पिटल्स में बेड, डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी वगैरह का इंतजाम करने की जिम्मेदारी सरकारी तंत्र की ही बनती है। उम्मीद की जाए कि दोनों अपने-अपने हिस्से की जिम्मेदारी का उपयुक्त ढंग से निर्वाह करते हुए तीसरी लहर को शुरु में ही नियंत्रित कर लेंगे।

मेरा डॉक्टर बनकर उतरे मैदान में

मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने निजी चिकित्सकों से ऑनलाइन किया संवाद

टास्कफोर्स के द्वारा कोरोना उपचार पर डॉक्टरों ने किया मार्गदर्शन व शंकाओं का निवारण

मुंबई – मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की अभिनव संकल्पना के अंतर्गत एक वैशिष्ठ पूर्ण वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राज्य के टास्कफोर्स के विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा कोरोना पर मार्गदर्शन कर उनका निवारण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ठाकरे ने कहा कि मेरा डॉक्टर बनकर मैदान में उतरे। कोरोना के तीसरे चरण के दौरान फैमिली डॉक्टर की बड़ी जवाबदारी होंगी। इस अभियान के अंतर्गत मुंबई के १००० डॉक्टरों ने संवाद साधा।

मुख्यमंत्री द्वारा चिकित्सकों से किए गए इस तंत्रज्ञान के माध्यम से संवाद साधने पर चिकित्सा के क्षेत्र में स्वागत किया जा रहा है। जल्द ही इसी पद्धति से राज्य के अन्य विभागों के चिकित्सकों से भी संवाद साधा जाएगा। मेरा डॉक्टर बन सभी डॉक्टर उतरे रास्ते पर। इस सभा के शुरुआत में मुख्यमंत्री ठाकरे द्वारा कोरोना के दौरान वैद्यकिय क्षेत्र में कार्य करने वाले डॉक्टरों की सराहना की तथा आव्हान किया कि तीसरे चरण का मुकाबला करने के लिए अभी से ही तैयार रहें। कोरोना काल के दौरान फैमिली डॉक्टर की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। क्योंकि किसी भी प्रकार की छोटी बड़ी बीमारी में मरीज सबसे पहले अपने परिवारिक डॉक्टर से ही संपर्क करता है। जिससे उनकी जवाबदारी महत्वपूर्ण है। सर्वसामान्य में आप मेरा डॉक्टर बनकर मार्गदर्शन करें, जिससे बीमारी के शुरुआती चरण में ही उसे रोकने में मदद होती है।

घर में उपचार के दौरान मरीजों पर ध्यान दें

कोरोना लक्षण दिखाई नहीं देने पर मरीज चिकित्सालय में जाता है। वह आवश्यकता न होने पर भी उन्हें बेड उपलब्ध किए जाते हैं। जिसके चलते जरुरतमंद मरीज को सुविधा मिल नहीं पाती। उसी प्रकार संक्रमित मरीज देर से चिकित्सालय में जाने पर उसके उचित उपचार में देरी होती है। जिसके चलते फैमिली डॉक्टर सावधानी से जांच कर कोरोना वायरस के लक्षण के अनुसार तत्काल उनका उपचार किए जाने पर मरीज जल्द ही स्वस्थ होगा, ऐसा बोलकर मुख्यमंत्री ने कहा कि घर में अलगीकरण मरीजों को सभी डॉक्टर ध्यान दें तथा उनकी पूछताछ करना समय की आवश्यकता है। जिससे उन्हें मानसिक बल भी मिलता है। इस दौरान उनकी तबीयत ज्यादा खराब होने पर चिकित्सालय में दाखिल करना आवश्यक होता है। इसके लिए सभी निजी चिकित्सक घर में उपचार करने वाले मरीजों को

प्रोटोकाल के अनुसार उपचार मिल रहा है कि नहीं इस और विशेष ध्यान दें तथा इसकी जानकारी वार्ड अधिकारियों को दें। जानकारी समय-समय पर आगे की व्यवस्था के लिए स्थानीय प्रशासन द्वारा व्यवस्था की जाएंगी।

निजी चिकित्सक कोरोना सेंटरों में भी दे सेवा

परिसर के कोविड-१९ अथवा जंबो केंद्रों में भी अपनी सेवा प्रदान करें क्योंकि आज उनकी आवश्यकता है। जिसे ध्यान में रखते हुए सभी निजी चिकित्सक उन सेंटरों में अपने नाम पंजीयन करवाएं, ऐसा आवाहन मुख्यमंत्री ने किया है। आज राज्यों में सभी ओर उपचार पद्धति एक समान होना महत्वपूर्ण है। राज्य में १२७० मेट्रिक टन ऑक्सीजन का निर्माण होता है। लेकिन कोविड के चलते वर्तमान स्थिति में १७०० मेट्रिक टन ऑक्सीजन की आवश्यकता हो रही है। ऑक्सीजन के संदर्भ में जल्द ही स्वयं पूर्ण बनाने वह भविष्य में कमी ना होने का रुपरेखा तैयार की जा रही है। जिसके चलते जल्द ही राज्य में बड़ी हुई मांग के अनुसार ऑक्सीजन का निर्माण संभव होगा।

टास्क फोर्स ने किया शंकाओं का निवारण

इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ.प्रदीप व्यास, डॉ. संजय ओक, डॉ.शशांक जोशी, डॉ.राहुल पंडित तथा डॉतात्या लहाने ने कोरोना काल के दौरान उपचार पद्धति पर मार्गदर्शन कर शंकाओं का निवारण किया। जिसमें स्टीरॉइडस का कितने प्रमाण में उपयोग करना, ६ मिनट वॉक टेस्ट का महत्व, ऑक्सीजन की आवश्यकता कैसे पहचाने, बुर्शी के कारण होने वाली म्यूकर मायकॉसिस में क्या उपचार करना, ऑक्सीजन लेवल धोकादायक है यह स्थिति क्या, रेमडेसीविर कब और कितना उपयोग करना, वेंटिलेटर की मरीज को आवश्यकता, डायबिटीज को स्थिर रखना, कोरोना होने पर कितने समय की देखभाल, कोविड होने पर मरीज ने कब टीका लिया इस पर मार्गदर्शन व शंकाओ का निवारण, आरटीपीसीआर की जांच का महत्व, सीटी स्कैन की कितनी आवश्यकता इस पर भी सभा में मार्गदर्शन किया गया।

छोटे बच्चों पर विशेष ध्यान दें

कोरोना संक्रमण के तीसरे चरण के दौरान छोटे बच्चों का विशेष ध्यान देने के लिए राज्य में बाल रोग विशेषज्ञों का एक टास्क फोर्स निर्माण किया गया है। इस विषय पर भी सभा में जानकारी दी गई। इस दौरान छोटे बच्चों में होने वाले मौसम के बदलाव तथा उन्हें होने वाली सर्दी, बुखार, डायरिया व दूध तथा अनाज खाना कम करने अथवा बंद करने ऐसी लक्षणों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, इसकी भी जानकारी दी गई।

निजी चिकित्सकों का उत्साह पूर्ण प्रतिसाद दूसरे चरण का मुकाबला कर रहे तथा तीसरे संभावित चरण का नियोजन कर निजी चिकित्सकों पर विश्वास रख उन्हें बड़े प्रमाण में सहभागी करने पर आज की सभा में अनेक डॉक्टरों ने समाधान व्यक्त किया तथा टास्क फोर्स के विशेषज्ञ डॉक्टरों से बोलने का अवसर मिला व शंकाओं का निवारण तथा उपचार करने अधिक जानकारी प्राप्त होने से उनमें ऐसा अनेक डॉक्टरों ने कहा। साथ ही अनेक डॉक्टरों ने ऑनलाइन सभा शुरु रहने के दौरान ही इस लड़ाई में काम करने की इच्छा व्यक्त की तथा कुछ ने विचार व्यक्त किया कि इसमें आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक डॉक्टरों को भी शामिल किया जाए।

अंतरराष्ट्रीय मातृ दिवस

प्रत्येक वर्ष मई माह के दूसरे रविवार को मातृ दिवस मनाया जाता है। मातृ दिवस २०२१ भारत में ९ मई, रविवार को मनाया गया। यह दिवस हर साल माताओं के प्रति अपने आदर और सम्मान को व्यक्त करने के लिए मनाया जाता है । पूरे विश्व के विभिन्न देशों में अलग-अलग तारीखों पर हर वर्ष मातृ दिवस को मनाया जाता है। भारत में, इसे हर साल मई महीने के दूसरे रविवार को मनाया जाता है।

मातृ दिवस का इतिहास

मातृ दिवस का इतिहास सदियों पुराना एवं प्राचीन है। यूनान में बसंत कृतु के आगमन पर रिहा परमेश्वर की माँ को सम्मानित करने के लिए यह दिवस मनाया जाता था। १६वीं सदी में इंग्लैण्ड का ईसाई समुदाय ईशु की माँ मदर मेरी को सम्मानित करने के लिए यह त्योहार मनाने लगा। मदर्स डे मनाने का मूल कारण समस्त माओं को सम्मान देना और एक शिशु के उत्थान में उसकी महान भूमिका को सलाम करना है।

आधुनिक मातृ दिवस का अवकाश ग्राफ्टन वेस्ट वर्जिनिया में एना जार्विस के द्वारा समस्त माताओं तथा मातृत्व के लिए खास तौर पर पारिवारिक एवं उनके आपसी सम्बन्धों को सम्मान देने के लिए आरम्भ किया गया था। यह दिवस अब दुनिया के हर कोने में अलग-अलग दिनों में मनाया जाता हैं। जैसे कि पिताओं को सम्मान देने के लिए पितृ दिवस की छुट्टी मनाई जाती हैं, उसी तरह मातृ दिवस की भी छुट्टी होती है। यह छुट्टी अन्ततः इतनी व्यवसायिक बन गई कि इसकी संस्थापक, एना जार्विस तथा कई लोग इसे एक होलमार्क होलीडे, अर्थात् एक प्रचुर वाणिज्यिक प्रयोजन के रुप में समझने लगे। एना ने जिस छुट्टी के निर्माण में सहयोग किया उसी का विरोध करते हुए इसे समाप्त करना चाहा।

इस दिवस को आधिकारिक बनाने का निर्णय पूर्व अमरीकी राष्ट्रपति वूडरो विलसन ने ०८ मई, १९१४ को लिया। ०८ मई, १९१४ में अन्ना की कठिन मेहनत के बाद तत्कालीन अमरीकी राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाने और माँ के सम्मान में एक दिन के अवकाश की सार्वजनिक घोषणा की। वे समझ रहे थे कि सम्मान, श्रद्धा के साथ माताओं का सशक्तीकरण होना चाहिए, जिससे मातृत्व शक्ति के प्रभाव से युद्धों की विभीषिका रुके। तब से हर वर्ष मई के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है।

ऐतिहासिक

एक विचार धारा ने दावा किया कि मातृ पूजा की रिवाज पुराने ग्रीस से उत्पन्न हुई है जो स्म्बेले ग्रीक देवताओं की मां थीं, उनके सम्मान में ही मातृ दिवस मनाया जाता है। यह त्यौहार एशिया माइनर के आस-पास और साथ ही साथ रोम में भी वसंत विषुव के आस-पास इदेस ऑफ मार्च - १५ मार्च से १८ मार्च तक मनाया जाता था।

कुछ लोगो का मानना है कि मदर्स डे कि शुरुआत एक अमेरिकन एक्टिविस्ट एना जार्विस से होती है। एना जार्विस को अपनी माँ से खास लगाव था। जार्विस अपनी माँ के साथ ही रहती थी और उन्होंने कभी शादी भी नहीं की थी। माँ के गुजर जाने के बाद एना ने माँ से प्यार जताने के लिए मदर्स डे की शुरुआत की। तब से हर साल मई माह के दूसरे रविवार को मदर्स डे मनाया जाता है।

प्राचीन रोमवासी एक अन्य छुट्टी मनाते थे, जिसका नाम है मेट्रोनालिया, जो जूनो को समर्पित था, यद्यपि इस दिन माताओं को उपहार दिये जाते थे।

यूरोप और ब्रिटेन में कई प्रचलित परम्पराएं हैं जहां एक विशिष्ट रविवार को मातृत्व और माताओं को सम्मानित किया जाता है, जिसे मदरिंग सन्डे कहा जाता था। मदरिंग सन्डे समारोह, अन्गिलकान्स सहित, लितुर्गिकल कैलेंडर का हिस्सा है, जो कई ईसाई उपाधियों और कैथोलिक कैलेंडर में लेतारे सन्डे, चौथे रविवार लेंट में वर्जिन मेरी और मदर चर्च को सम्मानित करने के लिए मनाया जाता हैं। परम्परानुसार इस दिन प्रतीकात्मक उपहार देने तथा कुछ परम्परागत महिला कार्य जैसे अन्य सदस्यों के लिए खाना बनाने और सफाई करने को प्रशंसा के संकेत के रुप में चित्रित किया गया था।

मातृ दिवस, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के रुप में कई देशों में ८ मार्च को मनाया जाता हैं।

मदर डे प्रोक्लामेशन जुलिया वार्ड होवे द्वारा सर्वप्रथम अमेरिका में मातृ दिवस मनाया गया था। होवे द्वारा १८७० में रचित **मदर डे प्रोक्लामेशन** में अमेरिकन सिविल वार और फ्रांको-प्रुस्सियन वार में हुई, मारकाट में शांतिवादी प्रतिक्रिया लिखी गयी थी। यह प्रोक्लामेशन होवे का नारीवादी विश्वास था जिसके अनुसार महिलाओं को राजनीतिक स्तर पर अपने समाज को आकार देने का सम्पूर्ण दायित्व मिलना चाहिए।

महत्व

मातृ दिवस, माता को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है। एक मां का आँचल अपनी संतान के लिए कभी छोटा नहीं पड़ता। माँ का प्रेम अपनी संतान के लिए इतना गहरा और अटूट होता है कि माँ अपने बच्चे की खुशी के लिए सारी दुनिया से लड़ लेती है। एक माँ का हमारे जीवन में बहुत बड़ा महत्व है, एक माँ बिना ये दुनियां अधूरी है। मातृ दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य माँ के प्रति सम्मान और प्रेम को प्रदर्शित करना है भी है।

मातृ दिवस कैसे मनाया जाता है?

मातृ दिवस हर किसी के लिए वर्ष का एक बहुत खास दिन है। जो लोग अपनी माताओं से प्यार करते हैं और उनका ध्यान रखते हैं, वे कई तरह से इस विशेष अवसर का जश्न मनाते हैं। पूरे वर्ष में यही एकमात्र दिन होता है जिसे दुनिया की सभी माताओं को समर्पित किया जाता है। विभिन्न देशों के लोग देश के मानदंड और कैलेंडर के अनुसार अलग-अलग तिथियों और दिनों में इस दिन का जश्न मनाते हैं।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस नोबल नर्सिंग सेवा की शुरुआत करने वाली **फ्लोरेन्स नाइटिंगेल** के जन्म दिवस पर हर साल दुनिया भर में १२ मई को मनाया जाता है।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस का इतिहास

नर्स दिवस को मनाने का प्रस्ताव पहली बार अमेरिका के स्वास्थ्य, शिक्षा और कल्याण विभाग के अधिकारी डोरोथी सदरलैंड ने प्रस्तावित किया था। अंतत अमेरिकी राष्ट्रपति डी.डी. आइजनहावर ने इसे मनाने की मान्यता प्रदान की। इस दिवस को पहली बार वर्ष १९५३ में मनाया गया। अंतरराष्ट्रीय नर्स परिषद ने इस दिवस को पहली बार वर्ष १९६५ में मनाया। नर्सिंग पेशेवर की शुरुआत करने वाली प्रख्यात फ्लोरेंस नाइटइंगेल के जन्म दिवस १२ मई को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के रुप में मनाने का निर्णय वर्ष १९७४ में लिया गया।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस का महत्व

नर्सिंग को विश्व के सबसे बड़े स्वास्थ्य पेशे के रुप में माना जाता है। नर्सिस को शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्तर जैसे सभी पहलुओं के माध्यम से रोगी की देखभाल करने के लिए अच्छी तरह से प्रशिक्षित, शिक्षित और अनुभवी होना चाहिए। जब पेशेवर चिकित्सक दूसरे रोगियों को देखने में व्यस्त होते है, तब रोगियों की चौबीस घंटे देखभाल करने के लिए नर्सिस की सुलभता और उपलब्धता होती हैं। नर्सिस से रोगियों के मनोबल को बढ़ाने वाली और उनकी बीमारी को नियंत्रित करने में मित्रवत, सहायक और स्नेहशील होने की उम्मीद की जाती है।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस - स्वास्थ्य सेवाओं में नर्सिस के योगदान को सम्मानित करने के लिए, रोगियों के कल्याण के लिए नर्सिस को शिक्षित और प्रशिक्षित करने के लिए, नर्सिस से संबंधित विभिन्न मुद्दों के बारे में चर्चा करने के लिए और उनकी मेहनत और समर्पण की सराहना करने के लिए मनाया जाता है।

रोगी और नर्स के अनुपात में अंतर

दुनिया में अधिकांश देशों में आज भी प्रशिक्षित नर्सों की भारी कमी चल रही है, लेकिन विकासशील देशों में यह कमी और भी अधिक देखने को मिलती है। भारत में विदेशों के लिए नर्सों के पलायन में पहले की अपेक्षा कमी आई है, लेकिन रोगी और नर्स के अनुपात में अभी भी भारी अंतर है। ट्रेंड नर्सेस एसोसिएशन ऑफ इंडिया की महासचिव के अनुसार सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के कारण भारत में प्रशिक्षित नर्सों की संख्या में कुछ सुधार हुआ है। अच्छे वेतन और सुविधाओं के लिए पहले जितनी अधिक संख्या में प्रशिक्षित नर्सें विदेश जाती थीं, आज उनकी संख्या में कमी आई है। रोगियों की संख्या में लगातार वृद्धि होने के कारण रोगी और नर्स के अनुपात में अंतर बढ़ा है, जिस पर सरकार को गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। सरकारी अस्पतालों में नर्सों को छठे वेतन आयोग की सिफारिशों के आधार पर वेतन और अन्य सुविधाएं मिल रही हैं। उनकी हालत में भारी सुधार आया है, जिससे नर्सों का पलायन काफी रुका है।

राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगल पुरस्कार

नर्सों की सराहनीय सेवा को मान्यता प्रदान करने के लिए भारत सरकार के परिवार एवं कल्याण मंत्रालय ने राष्ट्रीय फ्लोरेंस नाइटिंगल पुरस्कार की शुरुआत की। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने १९७३ से अभी तक कुल २३७ नर्सों को माननीय राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया है। फ्लोरेंस नाइटिंगल पुरस्कार में ५० हजार रुपए नकद, एक प्रशस्ति पत्र और मेडल दिया जाता है।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : प्रेम संबंधों के लिए समय अच्छा चल रहा है। परिवार व दोस्तों के साथ किसी यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं। अपनी पेशेवर क्षमता के चलते संगठन के शीर्ष कुछ लोगों में शामिल हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति पहले से अधिक मजबूत होने की संभावना है। नई संपत्ति खरीदने के योग बन रहे हैं।

वृषभ : कार्यक्षेत्र आपको कोई रोक रहा है इसलिए सतर्क रहें और मेहनत करते रहें। जीवनसाथी के साथ रिश्तों को सुधारने की कोशिश करें। समाज में किसी व्यक्ति की बढ़ती लोकप्रियता से आपको ईर्ष्या हो सकती है। सेहत को लेकर सतर्क रहें।

मिथुन : व्यापार में चल रही हानि का असर आपकी आर्थिक स्थिति पर पड़ सकता है। ऑफिस में किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर आपका ढीला रवैया आपको परेशानी में डाल सकता है। समाज में अपनी पहचान बनाने में आप सफल होंगे।

कर्क : डॉक्टर्स व इंजीनियरिंग क्षेत्र से जुड़े लोगों की आर्थिक स्थिति संतोषजनक रहेगी। जीवनसाथी के मूड का ख्याल रखें वरना समस्या हो सकती है। स्पोर्ट्स एक्टिविटी में हिस्सा लेकर ऊर्जावान महसूस करेंगे। छुट्टियों पर जाने के प्रोग्राम स्थगित होगा।

सिंह : कार्यक्षेत्र पर किसी प्रोजेक्ट में कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। सामाजिक रुप से आपको थोड़ा मुखर होने की आवश्यकता है, वरना कोई आपको किनारे कर सकता है। धन लाभ के चलते इस सप्ताह आप आर्थिक रुप से मजबूत रहेंगे।

कन्या : प्रेम संबंधों के लिए समय रोमांच भरा साबित होगा। इस शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों को अच्छी जगह नौकरी दिलाने में नेटवर्किंग मददगार साबित होगी। समस्या से बचने के लिए दिए गए काम को समय पर पूरा करने की कोशिश करें।

तुला : पढ़ाई में इस सप्ताह आपका प्रदर्शन अच्छा रहेगा। धन संबंधित परेशानियों को दूर करने में नेटवर्किंग मददगार साबित होगी। प्रेम संबंधों के लिए समय अनुकूल चल रहा है, इस सप्ताह आपकी रोमांटिक आकांक्षाएं जल्द पूरी होंगी।

वृश्चिक : काम के बोझ का असर आपके प्रदर्शन पर भी पड़ सकता है। जीवनसाथी के साथ मतभेद की आशंका है। पढ़ाई में निराशाजनक प्रदर्शन से आत्मविश्वास कम हो सकता है।

धनु : पिछले निवेश से अच्छे रिटर्न्स मिलने की संभावना है। धन लाभ व यात्रा के भी योग बन रहे हैं। किसी चीज को खरीदने की इच्छा पूरी हो सकती है।

मकर : कार्यक्षेत्र पर अच्छी नेटवर्किंग मददगार साबित होगी। किसी परीक्षा में उम्मीद के मुताबिक परिणाम मिलने से मन प्रसन्न होगा। प्रेम संबंधों के लिए समय मिला-जुला रहेगा। इससे पहले कि आपका साथी आपके पिछले जीवन के बारे में जानें, बेहतर होगा कि आप उसे पहले ही सब बता दें।

कुंभ : सप्ताह अधूरे कामों को पूरा करने के लिए उपयुक्त रहेगा। किसी व्यावसायिक यात्रा पर जाकर अच्छा महसूस कर सकते हैं। अच्छी प्लानिंग के चलते काम समयसीमा में पूरा होगा। धनलाभ के योग बन रहे हैं। किसी से मिले सरप्राइज गिफ्ट से मन प्रसन्न होगा।

मीन : किसी स्कीम में पैसा लगाने में जल्दबाजी से धनहानि हो सकती है। खानपान को लेकर सतर्क रहने की जरुरत है। प्रेम संबंधों को लेकर सप्ताह संतोषजनक रहेगा। किसी यात्रा पर जाने से पहले मौसम के बारे में जानकारी लेना आपके लिए बेहतर रहेगा।

बुरड कामगारों की ४० वर्षों से समस्याएं प्रलंबित हजारों परिवार उपेक्षा के शिकार

प्रतिनिधि गोंदिया – बांबू के माध्यम से विभिन्न जीवनावश्यक व आकर्षक सामग्री बनाकर उसकी बिक्री कर जीवनयापन करने वाले जिले के हजारों बुरड कामगार पिछले ४० वर्षों से अपने हक व अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। लेकिन आज तक किसी भी सरकार ने उनकी समस्याओं को गंभीरता से नहीं लेने के कारण हजारों बुरड मजदूर परिवार समस्याओं से जूझ रहे हैं। वन कानून व अन्य समस्याओं के चलते उन्हें बांबू उपलब्ध नहीं होने से उन पर भुखमरी की नौबत आन पड़ी है। आज के बदलते युग में बांबू कला को बढ़ावा नहीं दिए जाने के कारण यह कला अब नष्ट होने की कगार पर है।

गौरतलब है कि गोंदिया जिले को प्रकृति ने बड़े पैमाने पर वन संपदा प्रदान की है। जिसमें बांबू का भी समावेश है। पहले आसानी से बांबू उपलब्ध होने से हजारों परिवार बुरड व्यवसाय से जीवनयापन करते थे। लेकिन बदलते युग में यह व्यवसाय अब खत्म होने लगा है। अंग्रेजों के शासन के पहले से ही यह व्यवसाय चलता आ रहा है। अंग्रेजों ने भी इस व्यवसाय पर निर्बंध नहीं लगाया था। लेकिन अब शासन द्वारा अनेक नियमों को सामने लाकर बुरड व्यवसायियों को खत्म किया जा रहा है। सरकार द्वारा १९७० जंगल सरक्षण के तहत १२ से १५ रुपए में १०० बांबू मिल जाते थे। १९७५ तक यह स्थिति बरकरार थी। लेकिन उसके बाद शोषण शुरु हो गया। १९८० में जंगल में बांबू तोड़ने वालो से जुर्माना वसूल किया जाने लगा। जिससे १०-१५ किमी दूर जाकर बांबू अधिक दामों में खरीदने की मजबूरी मजदूरों पर आ गयी। इस प्रकार की अनेक समस्याओं को लेकर बुरड कामगार नेता लक्ष्मण चंद्रिकापुरे द्वारा १९८२ में मुंबई-हावड़ा राष्ट्रीय महामार्ग रोक कर बड़ा आंदोलन भी किया गया था। इस आंदोलन में हजारों बुरड कामगार शामिल हुए थे। इस आंदोलन के बाद कामगारों की समस्या सरकार के दरबार में तो पहुंची, लेकिन आज तक उनकी मांगे पूरी नहीं हो सकी है। २०१० में नेशनल बांबू प्रकल्प की घोषणा की गई। लेकिन उसमें बुरड व्यवसाय का समावेश नहीं हुआ। पिछले ४० वर्षों से बुरड कामगार महामंडल का निर्माण करने, कामगारों को नियमित बांबू उपलब्ध करने, मजदूरों द्वारा निर्मित बांबू की सामग्री सरकार द्वारा खरीदी करने की एवं इस प्रकार की अनेक मांगे आज भी प्रलंबित है।

बुरड़ व्यवसाय को जिंदा रखने के लिए महामंडल की स्थापना जरुरी है। एससी, एसटी प्रवर्ग के हजारों परिवार इस व्यवसाय पर निर्भर है। वनविभाग तथा समाज कल्याण द्वारा बांबू उपलब्ध कर इस व्यवसाय को बढ़ावा दिया जा सकता है। १४ अप्रैल १९८३ को हमने राष्ट्रीय महामार्ग को रोककर बड़ा आंदोलन किया था, जिसके बाद कुछ मांगे पुरी हुई, लेकिन आज भी यह व्यवसाय अपेक्षित है। सरकार से मांग है कि महामंडल की स्थापना का बुरड व्यवसायियों को आधार दिया जाए।

– लक्ष्मणराव चंद्रीकापुरे,
बुरड़ कामगार नेता, गोंदिया

लॉकडाउन नियमों का उल्लंघन दो दुकानों पर नप की कार्रवाई, वसूला जुर्माना

गोंदिया – कोरोना के चलते लॉकडाउन की अधिसूचना घोषित की गई, जिसमें इन नियमों का उल्लंघन करने वाले दो दुकानदारों पर नगर परिषद गोंदिया द्वारा दंडात्मक कार्रवाई करते हुए १०-१० हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। गौरतलब है कि राज्य में कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए शासन द्वारा कुछ प्रतिबंध लगाकर लॉकडाउन की अधिसूचना घोषित की गई। जिसके अनुसार गोंदिया जिले में आवश्यक सेवा को छोड़कर अन्य आस्थापना, व्यवसाय, दुकानें बंद रखने का निर्देश दिया गया। लेकिन कुछ स्थानों पर इन नियमों का उल्लंघन कर दुकान शुरु करने के मामले सामने आने पर गोंदिया नगर परिषद व पुलिस विभाग के संयुक्त पथक द्वारा जांच कर दंडात्मक कार्रवाई की गई। जिसमें गोरेलाल चौक स्थित रवि रेडीमेड स्टोर व गंज बाजार पान लाईन स्थित सोनी रामनिवास ज्वेलर्स पर कार्रवाई करते हुए प्रत्येक दुकानदार से १०-१० हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया। उपरोक्त कार्रवाई नप मुख्याधिकारी करण चौहान के मार्गदर्शन में बाजार विभाग के प्रमुख मुकेश मिश्रा व पथक के सहयोगी कर्मचारियों द्वारा की गई।

पागंड़ी जलाशय में मिला युवक का शव

गोंदिया - गंगाझरी पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले पागड़ी जलाशय में ६ मई की सुबह ९ बजे के दौरान एक युवक का शव मिला। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक युवक गोंदिया तहसील के ग्राम कुड़वा निवासी कुणाल तिघारे (२१) का बताया गया। वह घर से गत २ दिनों से लापता था। ६ मई की सुबह आसपास के ग्रामीणों को तालाब में शव तैरता हुआ दिखाई दिया। जिसकी सूचना गंगाझरी पुलिस थाने को दी गई। गंगाझरी पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी टीढ़ेकर ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को तालाब से निकालवाया। पंचनामा कर शव विच्छेदन के लिए भेज कर मामला दर्ज किया। आगे की जांच उपविभागीय पोलीस अधिकारी जगदीश पांडे के मार्गदर्शन में प्रभारी अधिकारी टीढ़ेकर द्वारा की जा रही है।

सड़क अर्जुनी कोविड सेंटर में विधायक चंद्रिकापुरे ने दिए ऑक्सीजन कंसंट्रेसर

संवाददाता सड़क अर्जुनी – कोरोना मरीज को बड़े प्रमाण पर ऑक्सीजन की आवश्यकता होती है। लेकिन उस प्रमाण में ऑक्सीजन उपलब्ध नहीं होने के चलते अर्जुनी मोरगांव विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी ग्रामीण चिकित्सालयों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों व उपकेंद्रों में चल रहे हैं कोविड केयर सेंटरों में ९० ऑक्सीजन कंसेट्रेसर मशीन व अन्य स्वास्थ्य उपकरण विधायक निधि से उपलब्ध करवाए जाएंगे। जिसकी पहली किस्त सड़क अर्जुनी सेंटर में विधायक मनोहर चंद्रिकापुरे द्वारा दी गई। इस अवसर पर देवचंद तरोंने, दुलाराम चंद्रिकापुरे, सम्राट चंद्रिकापुरे, रजनीताई गिरेपुजे, एफआरटी सहा,तहसील स्वास्थ्य अधिकारी डॉहर्षवर्धन मेश्राम, डॉ. विनोद मेश्राम, नर्स व अन्य कर्मचारी उपस्थित थे।

जरुरतमंद मरीजों को ऑक्सीजन कॉन्सट्रेटर मशीन निशुल्क उपलब्ध कराए जायेगे - सांसद सुनील मेढे

गोंदिया – सांसद सुनील मेंढे द्वारा स्थिती से निपटने के लिये केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी से अनुरोध किया गया तथा क्षेत्र के लिये अत्यावश्यक इस मांग को स्वीकार करते हुये ऑक्सीजन कॉन्सट्रेटर उपलब्ध कराये गये है। इन उपकरणों को सांसद सुनील मेढे के गोंदिया स्थित जनसंपर्क कार्यालय से निशुल्क उपलब्ध कराए जाएगे। जिससे जरुरतमंद मरीजो को बचाया जा सकेगा तथा उसकी सहायता की जा सकेगी। किसी भी तत्काल आवश्यक मरीज को ऑक्सीजन की कमी होने पर कार्यालय में संपर्क करने पर मशीन उपलब्ध कराई जाएंगी।

जनप्रतिनिधि के रुप में सांसद सुनील मेंढे, अपने क्षेत्र के लिए अथक प्रयत्न कर रहे हैं। जिसमे रुग्णालय में आवश्यक साहित्य वितरण करना हो, या कोविड केयर सेंटर का निर्माण करना शामील है। कोरोना महामारी की इस दुसरी लहर मे सांसद द्वारा सरकारी तथा निजी अस्पतालों को ४८ मिनी वेन्टीलेटर तथा १० ऑक्सीजन कॉन्सट्रेटर उपलब्ध कराये गये है। इन उपकरणो की अत्याधिक जरुरत को ध्यान मे रखते हुये सांसद द्वारा २५ ऑक्सीजन कॉन्सट्रेटर जिला शल्य चिकित्सक तथा २५ ऑक्सीजन कॉन्सट्रेटर गोंदिया मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता को दिये जाने हेतू जिलाधिकारी दीपक मीना को ज्ञापन सौपा गया है।

ऑक्सीजन कॉन्सट्रेटर की सेवा का प्रारंभ करते समय पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, पूर्व विधायक रमेश कुथे, संजय कुलकर्णी, दीपक कदम, गजेंद्र फुडे, सुनील केलनका शहर अध्यक्ष प्रपफुल अग्रवाल, गोल्डी गावंडे, गुड्डू चांदवानी, भरत क्षत्रिय, धर्मेंद्र डोहरे, धनंजय रीनाईत, अशोक जयसिंघानिया, पलाश लालवानी, प्रशांत बुरकुटे, गुड्डू कारडा आदी उपस्थित थे।

बिजली गिरने से ट्रैक्टर चालक की घटनास्थल पर ही मौत

गोदिया तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम कामठा से नवरगावकला मार्ग पर ८ मई की शाम ५ बजे के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से ट्रैक्टर चालक उमेश राघोजी तुरकर (४५) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

गौरतलब है कि ८ मई की शाम ५ बजे के दौरान अचानक मौसम में बदलाव आने के साथ ही तेज गढ़गढ़ाहट के साथ बिजली चमकने लगी व तेज हवा तूफान शुरु हो गया। इस दौरान कामठा से नवरगांव मार्ग पर ट्रैक्टर क्र. एमएच ३५ जी ७२४३ से जा रहे पिंडकेपार निवासी उमेश तुरकर पर बिजली गिरने से उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना की जानकारी गोंदिया के तहसीलदार आदेश डफर को मिलते ही घटनास्थल पर पहुंचकर पंचनामा कर मृतक के शव को विच्छेदन के लिए शासकीय जिला चिकित्सालय में भिजवाया। आगे की कार्रवाई की जा रही है।

तेंदूपत्ता तुड़ाई से मिल रहा रोजगार

संवाददाता देवरी - कोरोना काल में मजदूरों के समक्ष बेरोजगारी का संकट निर्माण हो चुका है। लेकिन वन विभाग द्वारा देवरी तहसील के नागरिकों की आवश्यकता को देखते हुए तेंदूपत्ता तुड़ाई का कार्य शुरु किया है, जिससे उन्हें कुछ राहत मिली है। तहसील अंतर्गत अनेक ग्रामों में तेंदूपत्ता तुड़ाई का कार्य शुरु हो जाने से नागरिकों में हर्ष का वातावरण देखा जा रहा है।

गौरतलब है कि प्रतिवर्ष मई महीने में तेंदूपत्ता तुड़ाई व संकलन का कार्य शुरु हो जाता है। कोरोना के इस संक्रमण काल में बेरोजगार नागरिकों व मजदूरों को तहसील में तेंदूपत्ता तुड़ाई का कार्य वन विभाग द्वारा शुरु किए जाने से अब नागरिक सुबह ही तेंदूपत्ता संकलन करने के लिए जा रहे हैं। कुछ नागरिक साइकल, दुपहिया वाहन में तेंदूपत्ता बोरों में भरकर अपने घरों में ही ला रहे हैं तथा कुछ भोजन लेकर जंगल में ही जाकर तेंदूपत्ता संकलन कर उसके पुड़े बनाने का कार्य कर रहे हैं। गांव में भी इसी प्रकार का कार्य शुरु है। अपने स्वास्थ्य को देखते हुए तथा कोरोना संक्रमण न हो इस हेतु मास्क लगाकर कार्य करते हुए दिखाई दे रहे हैं। तेंदूपत्ता संकलन का कार्य शुरु हो जाने से अनेक बेरोजगार लोगों को रोजगार उपलब्ध होने से उनके समक्ष रोजी-रोटी का प्रश्न हल होता दिखाई दे रहा है।

विधायक अग्रवाल के स्थानिक निधी की एम्बुलेंस का लोकार्पण

गोंदिया के लोकप्रिय विधायक विनोद अग्रवाल ने स्थानिक निधी से एम्बुलेंस मुहैया कराई गई। जिसका लोकार्पण ७ मई को किया गया। इस एम्बुलेंस में बेसिक लाइफ सपोर्ट की संपूर्ण सुविधा उपलब्ध है। जिसमें ऑटोमेटिक एक्सटर्नल डीफैब्रिकेटर, ब्लड प्रेशर जांच यंत्र, ऑक्सीजन सिलेंडर एंव अन्य अत्याधुनिक चीजों का समावेश किया गया है। यह एम्बुलेंस १०२ एवं १०८ दोनों आपातकालीन सेवाओं के लिए उपलब्ध रहेगी। विशेष तौर पर केटीएस एवं गंगाबाई अस्पताल में ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले मरीजों की संख्या ज्यादा होती है, ऐसे में यह एम्बुलेंस ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों को लिए सुलभ उपलब्ध होगी।

प्रभाग में पार्षद निर्मला मिश्रा ने करवाया मच्छरों से बचाव के लिए फागिंग

गोंदिया शहर में गत कुछ दिनों से मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। एक ओर तो कोरोना का संक्रमण चल रहा है, वहीं दूसरी ओर मच्छरों के कारण अन्य बीमारियां भी फैल रही है। जिस की रोकथाम के लिए प्रभाग क्रमांक १७ की पार्षद व महिला मोर्चा भाजपा अध्यक्ष गोंदिया निर्मला मिश्रा द्वारा पूरे प्रभाग में मच्छरों से बचाव के लिए फागिग करवाया है। विशेष यह है की पार्षद निर्मला मिश्रा इस संक्रमण काल के दौरान भी निरंतर प्रभाग के नागरिकों की विभिन्न समस्याओं को हल करने के लिए निरंतर कार्य कर रहीं है। चाहे पेयजल की समस्या हो या स्वच्छता संबंधित कार्य, को वे बखूबी अंजाम दे रही हैं।

अवैध महुआ शराब भट्टी पर कार्रवाई ६४,५९० का माल जप्त

संवाददाता सड़क अर्जुनी – डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम फुटाना/सौंदड में चुलबंद नदी के किनारे सौंदड निवासी संतोष राजीराम बनकर महुआ फूल की अवैध शराब भट्टी लगाकर शराब निकालने का कार्य कर रहा था। जिसकी गुप्त जानकारी पुलिस निरीक्षक सचिन वांगड़े को होते ही वे अपने दल के साथ परिसर में छापामार कार्रवाई की। जहां शराब निकालने के २ ड्रम, १२ प्लास्टिक थैलियों में ५९,०४० रुपये कीमत का ७२० किलोग्राम महुआ सड़वा व ४ लीटर कच्ची महुआ शराब व अन्य सामग्री सहित ६४,५९० रुपए का माल जप्त कर आरोपी संतोष बनकर, सचिन मांडारकर, मुकेश चाचेरे के खिलाफ शराबबंदी कानून के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पुलिस हवलदार रविशंकर चौधरी कर रहे हैं। उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, उपविभागीय पोलीस अधिकारी जालंधर नालुकुल के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक सचिन वागड़े, पोहवा रविशंकर चौधरी, उत्तम दहीवले, अनिल पटीये, राहुल वाटोरे द्वारा की गई।

सांसद प्रफुल पटेल की पहल पर भंडारा में लगेगा अदानी ग्रुप का ऑक्सीजन प्लांट

भंडारा – कोविड के संकट में मरीजों के जीवनरक्षक के रुप में आवश्यक ऑक्सीजन की कमी को देखते हुए, इस संकट से भंडारा को उबारने सांसद प्रफुल पटेल निरंन्तर प्रयासरत हैं। अब सांसद पटेल की पहल पर अदानी पावर परियोजना के सीएसआर निधि से भंडारा जिला अस्पताल में १३ हजार लीटर क्षमता का ऑक्सीजन प्लांट खड़ा किया जाना है। इस ऑक्सीजन प्लांट को तीन माह तैयार करने की प्रक्रिया शुरु हो गई।

विशेष है कि अप्रैल माह में भंडारा जिले में कोरोना मामलों की संख्या में भारी वृद्धि, ऑक्सीजन की उपलब्धता और बिस्तरों की समस्याओं का कारण बना था। ऑक्सीजन की कमी के चलते कोविड रोगी में धोखे की संभावना पैदा हो गई थी। इस गंभीर संकट के दौर में सांसद पटेल ने तुरंत ऑक्सीजन की आपूर्ति करने वाली आईनॉक्स कंपनी के निदेशकों से बात की और जिले को

तत्काल ४० टन ऑक्सीजन लिक्विड प्रदान की।

उन्होंने हाल ही में अदानी समूह के गौतम अदानी के साथ भंडारा के जिला सामान्य अस्पताल में १३ केएल ऑक्सीजन संयंत्र स्थापित करने के बारे में चर्चा की, जिसमें गौतम अदानी ने अदानी पावर प्रोजेक्ट के सीएसआर फंड से ऑक्सीजन की समस्या का स्थायी समाधान हेतु हरी झंडी दे दी।

ये ऑक्सीजन प्लांट तीन महीने की अवधि में जिला सामान्य अस्पताल में स्थापित किया जाएगा। १३ केएल क्षमता वाले ऑक्सीजन टैंक के चालू होने से जिला सामान्य अस्पताल को नियमित ऑक्सीजन की आपूर्ति में मदद मिलेगी। इस प्लांट को अदानी के सीएसआर निधि से मंजूरी प्रदान करने पर सांसद पटेल ने अदानी ग्रुप के गौतम अदानी का आभार माना।

पूर्व विधायक राजेंद्र जैन ने बताया कि सांसद प्रफुल पटेल के प्रयासों से गोंदिया के केटीएस जिला सामान्य अस्पताल में १३ केएल क्षमता का ऑक्सीजन प्लांट शुरु हो चुका है। वही गोंदिया में भी ऑक्सीजन के गहराए संकट को दूर कर निरंतर ऑक्सीजन लिक्विड की पूर्ति करायी जा रही है।

पूर्व विधायक राजेंद्र जैन दोनों जिलों में कोविड के वर्तमान हालातों के साथ ही ऑक्सीजन की आवश्यकताओं पर नजर रखे हुए है। उन्होंने भंडारा स्थित जिला खेल परिसर के बैडमिंटन हॉल में एक सुसज्जित कोविड केयर सेंटर खोलने के संबंध में जिलाधिकारी को एक पत्र जारी किया है।

बेमौसम बारिश से रबी फसल, कच्चे मकानों, व्यापारियों व विद्युत विभाग को हुआ नुकसान

संवाददाता अर्जुनी मोरगांव – अर्जुनी मोरगांव तहसील में मई माह के शुरु होते ही बेमौसम बारिश होने से तहसील में रबी की फसल व कच्चे मकानों को भारी नुकसान पहुंचा है। कुछ ही मिनटों में तेज हवाओं के साथ बारिश होने से रबी की काट कर रखी गई फसल, कच्चे मकानों, फलों के बगीचे तहस नहस हो गये। साथ ही तेज आंधी के चलते विद्युत के खंबे व बड़े-बड़े पेड़ गीर गए, जिससे परिसर में लाखों रुपयों का नुकसान हुआ। साथ ही इस दौरान विद्युत आपूर्ति खंडित हो जाने से नागरिकों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

बेमौसम बारिश से रबी की फसल को हुए नुकसान का कृषि विभाग द्वारा जल्द से जल्द पंचनामा कर नुकसान भरपाई के लिए शासन को भेजने की मांग पूर्व जिला परिषद सदस्य किशोर तरोने ने की है।

गणेश एग्रो ग्रुप को लाखों का नुकसान

तहसील के तावशी स्थित गणेश एग्रो फूड यह धान की प्रक्रिया करने वाली मिल है। पूरे मिल में सौर ऊर्जा प्रकल्प लगाया गया है। लेकिन ७ मई को आए हवा तूफान व बारिश से सैकड़ों सौर पैनल उखड़ कर चकनाचूर हो गए। जिसमें लाखों रुपए के नुकसान होने की जानकारी संचालक सर्वेश भूतड़ा द्वारा दी गई है।

बेमौसम बरसात से हुए नुकसान के पंचनामे कर प्रस्ताव शासन को प्रस्तुत करें - विधायक विनोद अग्रवाल

बारिश से हुये नुकसान का किया निरीक्षण

गोंदिया जिले में पिछले २-३ दिनों से तूफान के साथ मूसलाधार बारिश और ओले गिरने की वजह से किसानों को भारी मात्रा में नुकसान हुआ है। खड़ी फसल बारिश की वजह से चौपट हो गई है। साथ ही में अनेक घरों को भी क्षति पहुंची है। कोरोना जैसे महामारी के समय ऐसी नैसर्गिक आपदा की वजह से किसान मुसीबत में फस गए हैं। विधायक विनोद अग्रवाल ने गोंदिया विधानसभा का दौरा कर नुकसान हुए क्षेत्रों का जायजा लिया और तत्काल पंचनामा करने की सूचना प्रशासन को दी। पंचनामा प्रस्ताव जल्द से जल्द शासन को प्रस्तुत करने हेतु जिलाधिकारी को पत्र लिखा है।

कृषी मंत्री से किया ऑनलाइन संवाद

कृषि मंत्री दादासाहेब भूषण की अध्यक्षता में आयोजित खरीप हंगाम समीक्षा बैठक में विधायक विनोद अग्रवाल ने गोंदिया जिले में हुए

बेमौसम बरसात से हुए नुकसान के बारे में जानकारी दी और किसानो को जल्द से जल्द नुकसान की भरपाई करने की विनती की। साथ ही में गोंदिया जिले के धान की खेती करने वाले किसानों की समस्या को शासन जल्द से जल्द निपटारा करें अन्यथा किसानों को खुले बाजार में धान बेचने की परमिशन देकर ५०० रुपए प्रति क्विंटल अतिरिक्त राशि किसानों को देने की मांग की। इसके अलावा किसानो ने बिजली की आपूर्ति के लिए बिजली विभाग को अर्जी दी है, किंतु विभाग के माध्यम से उस पर कोई कार्रवाई न होने से किसानों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस बारे में भी जल्द से जल्द कार्रवाई की मांग विधयक अग्रवाल ने कृषि मंत्री से की है।

कब मिलेगी ५० हजार की प्रोत्साहन राशी?

देवरी, नवेगांव, सोनबिहरी और समीप के गांव में तूफानी बारिश और ओलो की वजह से किसानी का भारी नुकसान हुआ है। पहले से ही किसान समस्याओं से जुझ रहे थे, उस पर इस नैसर्गिक आपदा से उनकी समस्याएं और अधिक बढ़ गई है। धान के बोनस की रकम अभी तक किसानों के खाते में जमा नहीं हुई है। वैसे ही लोन का नियमित भुगतान करने वाले सभी किसानों को ५० हजार बोनस राशि देने की घोषणा राज्य शासन ने की थी। किंतु अभी तक किसी भी लाभार्थियों को यह रकम प्राप्त नहीं हुई है। ५० हजार रुपए कब मिलेंगे ऐसा सवाल विनोद अग्रवाल ने उपस्थित किया।

दौरे के दौरान सभी गांव के सरपंच, उपसरपंच, कृषि सहायक, पटवारी और चाबी संगठन के मनोहर लिल्हारे, नरेश येडे, मुरली नागपुरे, सरपंच लताबाई टेकाम, मधु मेश्राम, जीवन मेश्राम, नेतराम मेश्राम, युवराज ठाकरे, सुनील बेले, हंसलाल बघेले, राजकुमार दमाहे, मुन्नालाल माहुले, गणपत सहारे, तेजराम नागपुरे, मुन्नालाल नागपुरे, सरपंच तुलसीबाई बोहने, उपसरपंच गिरजाशंकर बीरननवार, जयेंद्र लिल्हारे एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

हत्या के आरोपी हिरासत में

अनिल मुनीश्वर – डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले सावंगी से तिड़का मार्ग पर ५ मई की सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव होने की जानकारी डुग्गीपार पुलिस थाने के पुलिस निरीक्षक सचिन वांगड़े को मिलते ही वे अपने दल सहित घटनास्थल पर पहुंचे। मृतक की पहचान सड़क अर्जुनी निवासी दुर्गेश सांवलदास लोले (३२) क रुप में होने के पश्चात १२ घंटों के अंदर ही हत्याकांड में शामिल तीन आरोपियों को हिरासत में लिया।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारीनुसार मृतक का कोहमारा निवासी शारदा राऊत की पुत्री अस्मिता बडोले के साथ चार-पांच वर्षों से अनैतिक संबंध था। जिसकी जानकारी होते ही पुलिस निरीक्षक सचिन वांगड़े ने तत्काल कोहमारा जाकर शारदा राऊत को उसकी सब्जी की दुकान से हिरासत में लेकर उसे उसके घर लेकर गए। घटना के संदर्भ में पूछताछ किए जाने पर समाधानकारक जवाब नहीं मिलने पर अस्मिता संतोष बडोले, संतोष बडोले व विशाल राऊत को हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने पर अस्मिता के पति संतोष बडोले ने दुर्गेश लोले का उसकी पत्नी के साथ अनैतिक संबंध के चलते उसकी सब्बल से प्रहार कर हत्या कर सावंगी-तिड़का मार्ग पर फेके जाने की बात कबूल की। इस हत्याकांड में विशाल शंकर राऊत व अस्मिता बडोले द्वारा मदद किए जाने की बात सामने आने पर फरियादी युद्धराज सांवलदास लोले की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस थाने में आरोपियों के खिलाफ भादवी की धारा ३०२, २०१, ३४ के तहत आरोपी संतोष प्रेमलाल बडोले (४५), विशाल शंकर राऊत (३०) व अस्मिता संतोष बडोले (३४) सभी कोहमारा निवासी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। आगे की जांच देवरी उपविभागीय पोलीस अधिकारी जालंधर नालुकुल द्वारा की जा रही है।

उपरोक्त कार्रवाई जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, उपविभागीय पोलीस अधिकारी जालिंदर नालकुल के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक सचिन वांगड़े, पोहवा हरिश्चंद्र शेंडे, जगदेश्वर बिसेन, रमेश हलामी, झुमन वाढई, मनोहर गावडकर, उत्तम दहीवले, सुनील डहाके, रागिनी निखारे आदि ने की।

सांसद मेढ़े की उपस्थिति में बीजीडब्ल्यू ब्लड बैंक में प्लाज्मा डोनेशन हुआ शुरु

गोंदिया के शासकीय महिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में सांसद सुनील मेढे १० मई को स्वयं उपस्थित रहकर प्लाजमा डोनेशन का कार्य शुरु करवाया। जिसमें पहले प्लाज्मा दानदाता पंकज रहांगडाले ने प्लाज्मा डोनेट किया।

गौरतलब है कि कोरोना संक्रमित मरीज के उपचार में प्लाज्मा चिकित्सा काफी कारगर साबित हो रही है। जिसके लिए गोंदिया के शासकीय महिला चिकित्सालय में ६ माह पूर्व प्लाज्मा मशीन आ चुकी थी। लेकिन मशीन चालू नहीं होने से इस विषय पर गोंदिया पहल प्लाज्मा टीम के हर्षल पवार, आलोक अग्रवाल, आदेश शर्मा, राजेश कनोजिया, नरेश लालवानी व अन्य सदस्यों द्वारा सांसद सुनील मेढे के प्रतिनिधि गजेंद्र फुंडे को इस समस्या से अवगत कराया था। जिसके चलते सांसद द्वारा गत जिला अधिकारी की सभा में इस विषय को गंभीरता से उठाते जल्द से जल्द मशीन शुरु करवाने के निर्देश दिए थे।

इस गंभीर विषय को देखते हुए जिलाधिकारी द्वारा तत्काल मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ.नरेश तिरपुड़े को आदेश जारी कर मशीन शुरु करने के निर्देश दिए थे। जिस पर प्रशासन द्वारा मशीन शुरु करने का कार्य किया गया। १० मई को मशीन शुरु होने पर सांसद सुनील मेढे स्वयं ब्लड बैंक में पहुंचकर अपनी उपस्थिति में प्लाज्मा डोनेशन का कार्य शुरु करवाया। जिसमें पंकज रहंगडाले पहले प्लाजमा डोनर बने। इस अवसर पर डीन नरेश तिरपुड़े, गजेंद्र फुंडे, संजय कुलकर्णी, अशोक जयसिंघानी, धर्मेंद्र डोहरे, सुजीत जायसवाल, विनोद चांदवानी, विक्की चेनानी, ब्लड बैंक के अधिकारी डॉयादव, डॉ.चौहान, अनिल गोंडाने, टेक्नीशियन स्मिता आनंद, राजू राहंगडाले, विनोद जांभुलकर, मुरकुटे सिस्टर आदि उपस्थित थे।

संक्रमित मरीजों के उपचार के लिए छोटे निजी नर्सिंग होम को दी जाए मान्यता

गोंदिया – कोरोना संक्रमित मरीजों के उपचार के लिए मान्यता प्राप्त चिकित्सालयों में बेड की कमी होने पर शासन द्वारा छोटे निजी नर्सिंग होम में मरीजों को भर्ती कर उपचार करने के लिए मान्यता दी जाए। गोंदिया शहर व जिले में अनेक ऐसे नर्सिंग होम हैं। जहां मरीजों को उपचार के लिए भर्ती कर इलाज किया जा सकता है। अनेक नर्सिंग होम संचालकों द्वारा मान्यता के लिए शासन के समक्ष प्रस्ताव भी दिया गया है। जिनकी जांच कर जल्द से जल्द मान्यता देने की मांग न्यू बालाजी नर्सिंग होम के संचालक डॉ.नितेश बाजपेई द्वारा की गई है।

हालांकि वर्तमान स्थिति में जिले में कोरोना की स्थिति नियंत्रण में है। लेकिन आने वाली परिस्थितियों को देखते हुए इसका नियोजन स्वास्थ्य विभाग व प्रशासन द्वारा अभी से ही किया जाए। जिससे भविष्य में मरीजों व नागरिकों को परेशानी न हो। गत दिनों चले संक्रमण के कहर के चलते मान्यता प्राप्त चिकित्सालयों व शासकीय चिकित्सालय में बेड उपलब्ध नहीं होने अधिकांश छोटे नर्सिग होम के डॉक्टरों द्वारा कोरोना मरीजों का इलाज कर उन्हें ठीक किया गया।

डॉ.नितेश बाजपेई ने बताया कि जब कुछ मरीजों को कहीं बैड न मिलने व अस्पताल में जगह उपलब्ध न होने की स्थिति में उनके द्वारा मरीजों का उपचार किया गया। जिसमें ५६ वर्षीय आमगांव निवासी मरीज जिसका ऑक्सीजन लेबल ६४ होने पर भी ३ दिनों का उपचार कर उसका ऑक्सीजन लेवल ८५ के ऊपर लाया गया। उसी प्रकार कोचेवाही निवासी मरीज का ऑक्सीजन लेवल ७१ होने पर उसका उपचार कर ८ दिनों में उसका ऑक्सीजन लेवल ९७ के स्तर पर लाया गया। उसी प्रकार बेड उपलब्ध न होने पर ओपीडी के माध्यम से भी अनेक मरीजों का उपचार कर उन्हें संक्रमण से राहत दी। जिसमें आमगांव निवासी पुरुष, बालाघाट निवासी महिला, गोंदिया निवासी महिला मरीज जिनका ऑक्सीजन लेवल काफी कम होने के बावजूद उनका उपचार कर उन्हें स्वस्थ किया गया। शासन द्वारा छोटे नर्सिग होम को जल्द से जल्द मान्यता दी गई तो संक्रमण की स्थिति में मरीजों का उपचार समुचित तरीके से किया जा सकता है।

कोविड-१९ जूम मीटिंग

बच्चों में कोरोना के लक्षण व उपचार पर जानकारी

गोंदिया – इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गोंदिया द्वारा कोरोना संक्रमण काल में ऑनलाइन जूम मिटिंग के माध्यम से निशुल्क जनजागृति की जा रही हैं। इसी अभियान के अंतर्गत आयोजित चौथी सभा ११ मई को शाम ६ से ७.३० बजे के दौरान आयोजित की गई है। जिसमें गोंदिया के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.उमेश शर्मा, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ.जूली जैन, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ.लोकचंद बजाज, मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ.अमित जायसवाल व आयएमए के अध्यक्ष डॉ. विकास जैन व डॉ.पियूष जायसवाल मार्गदर्शन करेंगे। गोंदिया आयएमए द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान का अधिक से अधिक नागरिकों द्वारा लाभ लेने का आव्हान इंडियन मेडिकल एसोसिएशन गोंदिया द्वारा किया गया है।

Meeting ID : 88157458021 | Passcode& 1234

कोरोना आपदा में यह कैसी कार्रवाई?

बिना पूर्व सूचना के हटाया अतिक्रमण –पंकज यादव

गोंदिया – कोरोना महामारी में संपूर्ण गोंदिया जिले में संचार बंदी लागू की गई है। जिसके चलते पूरे व्यवसाय व बाजार बंद है। उसके बावजूद नगर परिषद द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना के स्थानीय बाजार परिसर के फूटपाथ पर सब्जी व फल की दुकान लगाने वालों पर अतिक्रमण के नाम पर कार्रवाई की गई। इस महामारी काल में यह कैसी कार्रवाई, इस पर प्रश्न उठाते हुए पार्षद व शिवसेना जिला समन्वयक पंकज यादव ने नप की इस कार्रवाई की आलोचना की।

गौरतलब है कि कोरोना काल में ९ मई को नगर परिषद द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना व नोटिस दिए बाजार परिसर के फूटपाथ पर स्थित बंद दुकानों को अतिक्रमण के नाम पर हटाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान दुकानदार भी अनुपस्थित थे। जिससे इस कार्यवाही का क्या अर्थ निकलता है? इस महामारी के दौरान गोंदिया शहर में मच्छरों का प्रकोप होने से मलेरिया के मरीजों की भी संख्या में बढ़ोतरी हो रही है। आज अतिक्रमण की कार्रवाई के दौरान नप के स्वच्छता का कार्य करने वाले ट्रैक्टर, जेसीबी मशीन व कर्मचारियों को काम पर लगाकर गरीबों की बंद दुकानों को उठाया गया। यदि सफाई की ओर ध्यान दिया जाता तो अच्छा होता। शिवसेना जिला समन्वयक पंकज यादव ने नगर परिषद की इस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि अचानक इस कार्रवाई की आवश्यकता क्यों पड़ी? जबकि वर्तमान समय में संचारबंदी के चलते पूरा बाजार बंद है। क्या यह आदेश जिला अधिकारी ने दिया है अथवा नगर परिषद ने स्टैंडिंग कमेटी या आमसभा को जानकारी दी है। अतिक्रमण की कार्रवाई करना ही है तो नियमानुसार पुरे शहर में की जानी चाहिए।

कच्चा अतिक्रमण हटाया गया

शहर के मुख्य बाजार से सब्जी मंडी को स्टेडियम में स्थानांतरित किया गया है। आज की कार्यवाही में कच्चा अतिक्रमण हटाया गया है, जिसकी शिकायत भी प्राप्त हुई थी। यह कार्रवाई नगर परिषद व यातायात शाखा द्वारा संयुक्त रुप से की गई।

– करण चौहान,
मुख्याधिकारी नप गोंदिया

जमनालाल बजाज प्रतिमा परिसर को अतिक्रमण से नप ने किया मुक्त

गोंदिया शहर के स्टेडियम परिसर स्थित स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय जमनालाल बजाज प्रतिमा के समक्ष अतिक्रमण पर ११ मई को कार्रवाई करते हुए पुतले को नप द्वारा अतिक्रमण से मुक्त करवाया गया।

गौरतलब है कि गोंदिया शहर में खाली जगह दिखाई देते ही अतिक्रमण शुरु हो जाता है। जिसमें महापुरुषों के पुतले परिसर को भी छोड़ा नहीं जाता। शहर के स्टेडियम परिसर स्थित स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय जमनालाल बजाज की प्रतिमा के समक्ष भारी अतिक्रमण हो गया था। इस संदर्भ में शहर की सामाजिक संस्था युवा जागृति द्वारा इस गंभीर समस्या को देखते हुए नप मुख्याधिकारी को पत्र लिखकर अतिक्रमण हटाने की मांग की थी। जिस पर मुख्याधिकारी करण चौहान द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए मंगलवार ११ मई को अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गई। उल्लेखनीय है कि उपरोक्त स्थान पर प्याऊ बनाकर अतिक्रमण किया गया था। लेकिन प्याऊ सिफ नाम मात्र ही थी। जिसमें गत कुछ वर्षों से पेयजल की व्यवस्था नहीं थी। अतिक्रमण हटने के पश्चात पुतला परिसर दूर से ही दिखाई दे रहा है। तथा शहर में इसी प्रकार अतिक्रमण की कार्रवाई प्रशासन द्वारा निरंतर की जाए तथा कच्चे अतिक्रमणों के साथ भी पक्के अतिक्रमण पर कार्रवाई करने की मांग नागरिकों द्वारा की गई है।

टीकाकरण के लिए आदिवासी दुर्गम क्षेत्र की अनदेखी

१८ से ४४ आयु वर्ग के लिए एक भी टीकाकरण केंद्र नहीं -संजय पुराम

गोंदिया – कोरोना संक्रमण के चलते राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा १८ से ४४ आयु वर्ग के सभी नागरिकों को निशुल्क टीकाकरण करने का निर्णय लिया है। लेकिन गोंदिया जिले के स्वास्थ्य अधिकारीयों, जिप गोंदिया द्वारा ३० अप्रैल को लिए गए निर्णय में आदिवासी बहुसंख्यक क्षेत्र आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र के तीनों तहसीलों में एक भी केंद्र शुरु नहीं किया गया है। जिससे आदिवासी नागरिकों पर अन्याय होने का आरोप पूर्व विधायक संजय पुराम द्वारा लगाते हुए इसकी शिकायत जिलाधिकारी गोंदिया से की है।

गौरतलब है कि पूरे देश के साथ ही महाराष्ट्र में भी कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। जिससे बचाव के लिए कोरोना वैक्सीन के टीकाकरण का केंद्र व राज्य सरकार द्वारा निर्णय लेकर १८ से ४४ आयु वर्ग के नागरिकों के लिए भी १ मई से टीकाकरण कार्यक्रम शुरु किया गया है। जिसके अंतर्गत सभी जिलों में रुपरेखा तैयार कर स्वास्थ्य विभाग द्वारा टीकाकरण कार्य शुरु किया गया है। परंतु इस रुपरेखा के अंतर्गत गोंदिया जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा ३० अप्रैल २०२१ के पत्र में आमगांव-देवरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले आमगांव, सालेकसा व देवरी इन तीनों तहसीलों में एक भी टीकाकरण सेंटर शुरु नहीं किया गया है।

विशेष यह है कि उपरोक्त क्षेत्र आदिवासी दुर्गम क्षेत्र तथा आदिवासी नागरिकों की संख्या अधिक है। लेकिन अधिकारियों द्वारा इस ओर अन्याय करते हुए टीकाकरण केंद्र नहीं दिया गया है। उपरोक्त क्षेत्रों को छोड़कर गोंदिया तहसील में कुडवा, खमारी, सड़क अर्जुनी, मोरगांव अर्जुनी व तिरोड़ा ऐसे पांच टीकाकरण केंद्र ही शुरु किए गए हैं। टीकाकरण की पूर्व तैयारी के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा जनजागृति कर आदिवासी समाज के नागरिकों को टीकाकरण के लाभ बताकर उपरोक्त विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली तीनों तहसीलों में केंद्र शुरु करने की मांग की है। स्वास्थ्य विभाग के इस अन्याय के खिलाफ पूर्व विधायक संजय पुराम जिलाधिकारी से मोबाइल पर संपर्क कर आदिवासी क्षेत्र के नागरिकों के साथ हो रहे अन्याय की जानकारी दी तथा जल्द से जल्द केंद्र शुरु करने के संदर्भ में चर्चा कर इसकी मांग की है।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

आवश्यकता है

साप्ताहिक बुलंद गोंदिया के लिये गोंदिया-भंडारा जिले की सभी तहसीलों के लिये संवाददाता, प्रतिनिधी तथा वितरक नियुक्त कराना है । इच्छुक व्यक्ति कार्यालय में आकर संपर्क करें अथवा 7670079009, 9405244668, 9763355727 पर संपर्क करें ।

– सम्पादक

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटींग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित । संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८ । (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है । न्यायालय क्षेत्र गोंदिया ।